॥ चित्रापुर युवधारा समूह गीत ॥

गुरुप्रेरित, गुरुअनुग्रहित, गुरुपरंपराधृत युवधारा ।
युगों-युगों तक अमर रहे चिर युवधारा ॥ धृ ॥

कर्मक्षेत्र है; धर्मक्षेत्र है; गुरुक्षेत्र है; यह सारा ।
युगों-युगों तक अमर रहे चिर युवधारा ॥१॥

श्रीभवानीशङ्कर नमन कर; गुरुसंकेत शिरोधार्य कर
निजशक्ति को जागृत कर; गुरुपरंपरा से बंधी रहे यह युवधारा ।
युगों-युगों तक अमर रहे चिर युवधारा ॥२॥

अंतरमन विकसित करने; निर्मल करने; उज्ज्वल करने
सारस्वत आनंदित करने; अग्रसर होती रहे; यज्ञवत् यह युवधारा।
युगों-युगों तक अमर रहे चिर युवधारा ॥३॥

शक्ति भक्ति सम्पन्न बनें हम; संस्कृति रक्षक वीर बनें हम
सच्चे साधक शिष्य बनें हम; गुरुसेवा के पात्र बनें हम
गुरुदृष्टि के पात्र बनें हम
यतीश्वर यही प्रार्थना । - ३
युगों-युगों तक अमर रहे चिर युवधारा ॥४॥

युगों-युगों तक अमर रहे चित्रापुर युवधारा ॥

© Shrī Chitrāpur Math. All rights reserved
Shrī Chitrāpur Math, Shirālī, Uttara Kannaḍa, Karnāṭaka - 581354, India
www.chitrapurmath.net